बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-63
02/02/2019

नई तकनीक से केन्द्र एवं राज्य की योजनाओं की जानकारी और उसका लाभ लोगों को मिलेगा :– मुख्यमंत्री

पटना 02 फरवरी 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं केन्द्रीय सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने आज सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में एस0टी0पी0आई0 (सॉफ्टवेर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया) पटना में इन्क्युबेशन केंद्र के विस्तारीकरण का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने बिहार स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क, सहज तकनीक योजना एवं पंचायत स्तर पर सी0एस0सी0 (कॉमन सर्विस सेंटर) को इंडिया नेट के साथ सम्बद्ध कर डिजिटल सेवायें उपलब्ध कराए जाने की योजना का भी आज शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे पहले मैं केन्द्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद को एस0टी0पी0आई0 पटना इन्क्युबेशन केंद्र के विस्तारीकरण के शिलान्यास एवं उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी को बिहार स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क, सहज तकनीक योजना एवं पंचायत स्तर पर सी0एस0सी0 (कॉमन सर्विस सेंटर) को इंडिया नेट के साथ सम्बद्ध कर डिजिटल सेवायें उपलब्ध कराए जाने के लिए बधाई देता हूँ। नई तकनीक के आने से लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से मिलेगा एवं इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आधार से लिंक कर लोगों को और पारदर्शी ढंग से सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कॉमन सर्विस सेंटर के द्वारा उन कामों को तेजी से किया जा रहा है। पंचायत सरकार भवन के निर्माण से लोगों को वहीं स्थापित केंद्रों पर सभी प्रकार की सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2011 में लोक सेवाओं का अधिकार कानून लागू किया गया था, इससे जाति, आय, आवास प्रमाण–पत्र वगैरह बनाने में लोगों को काफी सुविधाएं होने लगीं। इसके लिए ब्लॉक, सब डिविजन एवं जिला केन्द्रों पर सुविधाएं उपलब्ध करायीं गयी। इस कानून का लाभ लोगों तक पहुँचाने में शुरू में काफी दिक्कतें आयीं लेकिन नई तकनीक के आने के बाद इसमें काफी सहूलियत हुई। अब कोई भी नई तकनीक का उपयोग कर कहीं से भी आवेदन कर इस सुविधा का लाभ उठा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत स्तर पर लोक सेवा केंद्र खोलने का निर्णय किया गया है। स्थानीय स्तर पर लोगों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सी0एस0सी0 के कामों की सराहना करते हुए कहा कि पंचायत स्तर से जोड़कर आपकी सेवाओं का लाभ यहाँ के लोगों को मिलेगा, इसके लिए पंचायती राज विभाग के स्तर पर शीघ्र ही कार्य योजना बनाकर इसे किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक के सदुपयोग से पारदर्शिता एवं कार्य की डिलीवरी में गति आई है। लिखे गये शब्दों, अक्षरों की जांच ठीक से कर लेने की जरूरत है ताकि किसी सर्टिफिकेट वगैरह में अशुद्धियों से लोगों को परेशानी न हो। वर्ष 2017 में बाढ़ से प्रभावित 38 लाख परिवारों को 6 हजार रूपये की राशि सीधे उनके खाते में लोगों को उपलब्ध कराई

गयी। आपदा के कार्यों में त्वरित लाभ से लोगों को राहत मिलती है और सरकार इस काम को तेजी से कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत स्तर पर सी0एस0सी0 को इंडिया नेट के साथ सम्बद्ध कर जो डिजिटल सेवायें उपलब्ध होंगी उसका बड़ा फायदा होगा। नई तकनीक से केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं की जानकारी एवं उसका लाभ लोगों को मिलेगा। इससे गड़बड़ी की गुंजाइश भी नहीं रहेगी। आसानी से एवं सहजता से लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्क्यूबेशन केंद्र तक यातायात सुगम बनाया गया है। राज्य सरकार हर तरह से सहयोग करेगी। आज शिक्षित लोगों को भी कम्प्यूटर की जानकारी रखनी चाहिए ताकि तकनीकी तौर पर वे मजबूत रहें क्योंकि आज के युग में बिना कम्प्यूटर की जानकारी के लोग निरक्षर ही हैं। बिहार में 12 करोड़ की आबादी में साढ़े आठ करोड़ मोबाइल धारक हैं, यहाँ के लोग भी अब स्मार्ट फोन के माध्यम से कई चीजों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं और उसका उपयोग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 में लोक शिकायत निवारण कानून लागू किया गया। नई तकनीक का प्रयोग कर अब लोग कहीं से भी आवेदन कर सकते हैं, जिस विभाग के दायरे में शिकायत होगी उसके पदाधिकारी एवं शिकायतकर्ता को निवारण हेतु केंद्र पर बुलाया जाएगा। बिहार के हर ब्लॉक में कुशल युवा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, इसमें 240 घंटे के कोर्स के दौरान संवाद कौशल, व्यवहार कौशल एवं कम्प्यूटर ज्ञान की जानकारी दी जाती है। अभी तक साढ़े चार लाख युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और सवा लाख युवा ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। सात निश्चय योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में मुफ्त वाई–फाई की सुविधा सरकार उपलब्ध करा रही है। करीब 300 शैक्षणिक संस्थानों में इसका लाभ छात्र उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक के विकास से लोगों की बेसिक जानकारी में भी वृद्धि हो रही है और इसके प्रति लोग प्रेरित भी हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सी0एस0सी0 के माध्यम से बढ़िया काम किया जा रहा है और लोगों को इसका लाभ भी मिल रहा है। पंचायत स्तर पर सी0एस0सी0 से सहयोग लिया जाएगा, जिससे सी0एस0सी0 से जुड़े लोगों की भी आमदनी बढ़ेगी और यहाँ के लोगों को उनके अनुभवों का लाभ मिलेगा। इसके लिए विभागीय स्तर पर मीटिंग कर इसे कार्यरूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में हमारी सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनायें यूनिवर्सल होती हैं। यहाँ जो भी योजनायें बनाई जाती हैं, उसके लिए पैसे का प्रावधान भी तुरंत किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं का पूरा लाभ लोगों को तत्काल नहीं मिल पाता है इसलिये योजनाओं में पारदर्शिता के लिये आई0टी0 की बहुत बड़ी उपयोगिता है। इसके जरिये योजनाओं का लाभ जन–जन तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद से निवेदन किया कि यहाँ सॉफ्टवेयर के लिए तो बेहतर काम आपके द्वारा बिहार के लिए किया जा रहा है लेकिन हार्डवेयर के निवेशकों को भी बिहार में आने के लिए प्रोत्साहित कीजिये। वे यहाँ उत्पादन करेंगे तो इसका लाभ सीधे तौर पर बिहार को मिलेगा और इससे रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत पुष्प–गुच्छ, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान एस0टी0पी0आई0 के कार्यों एवं उद्देश्यों पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखायी गयी, साथ ही सहज तकनीक योजना पर भी आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

कार्यक्रम को केन्द्रीय सूचना, प्रौद्योगिकी सह विधि एवं न्याय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद, उप मुख्यमंत्री सह सूचना एवं प्रावैधिकी मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, एस0टी0पी0आई0 के

महानिदेशक श्री ओंकार राय, सचिव सूचना एवं प्रावैधिकी सह बेल्ट्रॉन के प्रबंध निदेशक श्री राहुल सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री श्री कपिलदेव कामत, विधायक श्री अरुण कुमार सिन्हा, विधायक श्री संजीव चौरसिया, विधायक श्री नितिन नवीन, विधायक श्री रणविजय सिंह, विकास आयुक्त श्री सुभाष शर्मा, प्रधान सचिव पंचायती राज श्री अमृत लाल मीणा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, एस0टी0पी0आई0 के वरीय निदेशक श्री दिवेश त्यागी, एस0टी0पी0आई0 के निदेशक श्री मानस पांडा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, एस0टी0पी0आई0 एवं आई0टी0 विभाग सहित अन्य विभागों के वरीय अधिकारीगण, सी0एस0सी0 के कर्मीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******